2-17-Ect an Usiya The Gazette of India





भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

et. 34]

नई विल्ली, श्क्रवार, जनवरी 19, 1990/पीव 29, 1911

No. 34]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 19, 1990/PAUSA 29, 1911

इ.स. भाग में भिक्त पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में राजा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1990

का. भा. 55(श्र).—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ते, जिसे स्थापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ श्रवैध व्यापार निवारण श्रध्यादेश, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के भ्रधीन विशेष रूप से श्रणकत किया है, उक्त उपधारा के श्रधीन श्रादेश फा.सं. 773/3/88 सी.शु.- 8 तारीख 29-8-88 यह निवेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री जूलियो एम.सी. कोरिया वेलिम, टोलेकेन्टा, सालसेट गोवा को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, श्रागुडा, गोआ में श्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थी के छिपाव, लाने लेजाने तथा भारत से इनके निर्मात का पडयंत्र करने से रोका जा सके; और

- केन्द्रीय मरकार के पास यह विश्वास करने. का कारण है कि पूर्वोक्त ब्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेण का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. ग्रतः ग्रन्न, केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम की धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस ग्रादेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, पणजी के समक्ष हाजिर हो।

[फा.मं. 773/3/88/सी.म्,-8]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 19th January, 1990

S.O. 55(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit

Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773/3/88-Cus. VIII dated 29-8-88 under the said sub-section directing that Shri Julio M. C. Correia, Velim, Tolle Canto, Salcette, Goa be detained and kept in custody in the Central Prison, Aguada. Goa with a view to preventing him from engaging in the transportation, concealment and conspiring in the export from India of Narcotic Drugs and Psychotropic Substances; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the oforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed:
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Inspector General of Police, Panaji within 10 days of the publication of this order in the official Gazette,

[F. No. 773|3|88-Cus. VIII]

श्रादेश

का. थ्रा. 56(ग्र).—भारत मरकार के संयुक्त मिव ने, जिसे स्थापक और मनः प्रभावी पदार्थ ग्रवैध व्यापार निवारण ग्रथ्ययादेण, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन विणेष रूप से सशक्त किया गया है उक्त उपधारा के ग्रधीन फा. सं. 773/4/88 सी. शु.-8 तारीख 29-8-88 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री लीओफ टडी कोस्टा, वेलिम, केलिन्टो सालसेट, गोवा को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, श्रागुडा, गोवा में ग्रिभिरक्षा में रक्षा रखा जाए ताकि उमे व्यापक औषधि तथा मनः प्रभावी पदार्थों को लाने ने जाने तथा भारत से इनके लिर्धात का पड्यांत करने ने रोका जा सके, और

- केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. ग्रतः ग्रब, केन्द्रीय राराकार उक्त ग्रिधिनियम की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त ब्यक्ति इस ग्रादेश के राजपन में प्रकाशन के 10 दिन के भीनर पुलिस महानिदेशक, प्रणजी के समक्ष हाजिए हो।

[फा.सं. 773/4/88 सी.मृ. 8]

ORDER

S.O. 56(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773|4|88-Cus. VIII dated 29-8-88 under the said sub-section directing that Shri Leof D'Costa, Velim, Tolle Canto, Salcette, Goa be detained and kept in

custody in the Central Prison, Aguada, Goa with a view to preventing him from engaging in the transportation and conspiring in the export from India of Narcotic Drugs and Psychotropic Substances; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Inspector General of Police, Panaji within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 773|4|88-Cuz. VIII]

भ्रादेश

का. थ्रा. 57(थ्र) — भारत सरकार के संयुक्ष सिव ने, जिसे स्वापक औषिधि और मनः प्रभावी पदार्थ श्रवेश व्यापार निवारण अध्यादेश, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के श्रधीन श्रादेश का.स. 773/9/88 री.णु.-8 तारीख 6-7-88 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री सुरिन्दर सिंह जग्गी उर्फ बिल्ला, निवासी सी-1/209 जनकपुरी नई दिल्ला को निरुद्ध कर निया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाइ, नई दिल्ली में श्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक औषधि को रखने और विकी करने से रोका जा सके; और

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या प्रपने को छिपा रहा है जिससे उक्त ग्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (ख) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस ग्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस श्रायक्त, दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[फा.सं . 773/9/88 सी.ण<u>-</u>8]

ORDER

- S.O. 57(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773 9 8-Cus. VIII dated 6-7-88 under the said subsection directing that Shri Surinder Singh Jaggi @Billa, resident of C-I 208, Janakpuri, New Delhi detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from engaging in possession and sale of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 773]9[88-Cus. VIII]

प्रदिश

का.आ. 58(अ):— भारत सरकार के संयुक्त सचिव ते, जिसे स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ प्रवैध व्यापार निवारण प्रध्यादेश, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है उक्त उपधारा के प्रधीन फा.सं. 773/32/88 सी.जु. 8 तारीख 6-7-88 यह निदेण देते हुए जारी किया गया था कि श्री रघुनाथ गुष्ता, निवासी (1) चौंक धर्मशाला, मुजफ्फरपुर (2) ग्राम चैनपुर स्टेशन के समीप, वरगानिया को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में ग्रिभिरक्षा मे रखा जाए ताकि उसे स्वापक औषधि को दुष्प्रेरित करने, लाने लेजाने तथा ग्रन्तर्राज्याय ग्रायात करने से रोका जा सके; और

- ्र. केन्द्रीय मरकार के पास यह जिल्लास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त श्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (च) हारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वकित व्यक्ति इस श्रादेश के राजपत में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस श्रायुक्त, दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[का.सं. 773/32/88 सी. मु. 8]

ORDER

- S.O. 58(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773|32|88-Cus. VIII dated 6-7-88 under the said sub-section directing that Shri Raghunath Gupta, resident of (1) Chowk Dharamshala, Muzaffarpur (2) Village Chainpur, Near Chainpur Station, Bergania be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting, transportation and import inter-state of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 10 days of the publication of this order in the efficial Gazette.

[F. No. 773[32[88-Cus, VIII]

ग्रावेश

का.आ. 59(अ):—भारत सरकार संयुक्त सिवव ने, जिसे स्वापक आँपिध और मनःप्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अध्यादेश, 1988 की धारा 3 का उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से समतन किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 773/43/88 सी. शु. 8 तारीख 6-7-88 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री पूरन सिंह, निवासी 1213 भीरा कोठी, सञ्जीमंडी, दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाइ, मई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक औषधि के भारत से निर्यात के लिए दुष्प्रेरित करने से रोका जा सके; और

- केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. ग्रतः ग्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम, की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (ख) हारा प्रदत्त मिक्तगां का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्विक्त व्यक्ति, इस श्रादेश के राजपत्न में प्रकाशन के 10 दित के भीतर पुलिस श्रायुक्त, दिल्ली के समक्ष हाजिए हो।

[फा. र्स. 773/43/88 भी.मु. s]

ORDER

- S.O. 59(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773|43|88-Cus. VIII dated 6-7-88 under the said subsection directing that Shri Pooran Singh, resident of 1213, Shora Kothi, Subzimandi, Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tibar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the export from India of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 773|43|88-Cus. VIII]

ग्रादेश

का.आ. 60(अ):—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ते, जिसे स्वापक औपधि और मनःप्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण श्रध्यादेश, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उवन उपधारा के श्रधीन आदेश फा.सं. 773/44/88 सी. गु. 8 तारीख 6-7-88 यह निदेश देने हुए जारी किया गया था कि श्री प्रताप, निवासी सी-7/2, राणा प्रताप बाग, दिल्ली को निरुद्ध दार लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, निहाइ, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए नाकि उसे स्वापक औषधि के भारत में निर्यात के लिए दुष्प्रेरित करने से रोका जा सके; और

- केर्न्द्राय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, फरार हो गया है या श्रपने को छिना रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नही हो सके;
- ातः शब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम, की बारा उ उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शिकतयों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्विक्त व्यक्ति, इस भादेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस भायुक्त, दिल्ला के समक्ष हाजिर हो।

[फा.सं. 773/44/88 सी.मु. 8]

ORDER

- S.O. 60(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773[44] 88-Cus. VIII dated 6-7-88 under the said sub-section directing that Shri Pratap, resident of C-7[2, Rana Pratap Bagh, Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the export from India of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exericse of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 773|44|88-Cus. VIII]

ग्रादेश

का. अ). 61(अ):—भारत सरकार के संयुक्त सिविय ने, जिसे स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ प्रवैध व्याप्तार निवारण प्रध्यादेश, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन विशेष रूप से सम्मन्त किया गया है उकत उपधारा के प्रधीन फा.सं. 773/79/88 सी.म्. 8, नारीख 7-7-88 यह निदेश देते हुए, जारी किया गया था कि श्री एस. एस्टन, पुत्र संबास्टियन पिल्ले निवासी प्लाट सं. 111, साउथ जगन्तायन नगर, विलीवककम, मदास-19 को निकद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागर, सदास में ग्रिभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक औपिश विकी का काम करने से रोका जा सके, और

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या ग्रपने को छिपा रहा है जिससे उक्त श्रारेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. ग्रतः भ्रब, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम, की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वीकृत व्यक्ति, इस ग्रादेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, मद्रास के ममक्ष हाजिर हो।

[फा.सं. 773/79/88 सी.मु. 8]

ORDER

- S.O. 61 (E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773/79/88-Cus. VIII dated 7-7-88 under the said sub-section directing that Shri Anton, S/o Sebastian Pillai, resident of Plot No. 111, South Jaganathan Nagar, Villivakkam, Madras-19 be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from engaging in the sale of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Madras within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 773[79]88-Cus. VIII]

भ्रादेश

का.आ. 62(अ):—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अध्यादेश, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप में सशक्त किया गया है उकत उपधारा के अधीन का.सं. 773/86/88 सी. शु. 8 दिनांक 8-7-88 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री चार्ल्स ओकेचुक्यू चुक्चू नाइजीरियन राष्ट्रिक मार्फत कारागार अधीक्षक, केद्रीय बम्बई कारागार, आरथर रोड, बम्बई को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक औषधि को रखने, बिकी, खरीद तथा भारत से इनके निर्यात का पड़यंत्र करने से रोका जा सके: और

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह निश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या प्रपने को छिपा रहा है जिससे उक्त ग्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके!
- अतः अव, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा
 उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वेक्त व्यक्ति, इस श्रादेश के राजपत्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, बस्बई के समक्ष हाजिर हो।

[फा.स. 773/86/88 सी.मू. 8]

- S.O. 62 (E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773 86 88-Cus. VIII dated 8-7-88 under the said subsection directing that Shri Charles Okechukwu Chukwu, Nigerian National, Clo Superintendent of Prison, Bombay Central Prison, Arthur Road, Bombay be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from engaging in the possession, sale, purchase and conspiring to import into India of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 773]86]88-Cus. VIII]

श्रादेश

का.आ. 63(अ):—भारत सरकार के मंयुक्त सिवय ने, जिसे स्वापक औपिध और मनः प्रभावी पदार्थ प्रवैध व्यापार निवारण प्रध्यादेण, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के प्रधीन विषेप रूप से सणक्त किया गया है, उक्त उपधारा के प्रधीन प्रादेश का. सं. 773/125 /88 सी.शु. 8 तारीख 9-7-1988 यह निदेश देने हुए जारी किया गया था कि श्री बलदेव राज उर्फ बलदेव सिह, निवासी डब्ल्यू जेड-83, प्लाट नं. 92, विष्णु गार्डन, नई दिल्लो को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाइ, नई दिल्लो में प्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उमे स्वापक औपिध को रखने, छिपाने और भारत से इनके निर्यात के लिए दुष्प्रीरित करने से रोका जा सके; और

- केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वीक्त व्यक्ति फरार हो गया है या ध्रयने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. ग्रतः ग्रब, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वेक्त व्यक्ति, इस ग्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पूर्विस श्रायुक्त, दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 773/125/88सी.गु.8]

ORDER

- S.O. 63 (E),—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (I) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773/125/88-Cus. VIII dated 9-7-88 under the said subsection directing that Shri Baldev Raj @ Baldev Singh, resident of WZ-83, Plot No. 92, Vishnu Garden, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from engaging in the possession, concealment and abetting the export from India of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 773]125[88-Cus. VIII]

स्रादेश

का.आ. 64(अ):—भारत सरकार के संयुक्त सांचव ने, जिसे स्थापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ श्रवैध ध्यापार निवारण श्रध्यादेग, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन विशेष छप से सशक्त किया गया है उक्त उपधारा के श्रधीन फा.सं. 773/143/88 सी.शु. 8 दिनांक 27-7-88 यह निवेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री राम सिंह सुपुत्र स्थ. जगदीश सिंह निवासी जोगहनी तिकुलिया बस्ती, डाखखाना जोगहनी, जिला पुनिया, बिहार को निरुद्ध कर लिया जाए और प्रेसीडेसी कारागार, श्रलीपुर, कलकत्ता में श्रीसरक्षा में रखा जाए तांक उसे स्वापक औषधि को लानं, ले जाने का काम करने से रोका जा सके; और

- केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या ग्रपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त ग्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. श्रतः श्रब केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देनी हैं कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस श्रादेश के राजपल में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हो।

[फा.सं. 773/143/88 सी.शु. 8]

ORDER

S.O. 64 (E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic

Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773|143|88-Cus. VIII dated 27-7-88 under the said sub-section directing that Shri Ram Singh, S|o Late Jagdish Singh, resident of Jogbani Tikulia Basti, P.O. Jogbani, District Purnea, Bihar be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Alipore, Calcutta with a view to preventing him from engaging in the transportation of Narcotic Drugs; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Calcutta within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 773]143]88-Cus. VIII

ग्रावेश

का.आ. 65(अ):—-भारत सरकार के संयुक्त सिवय ने, जिसे स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अव्यादेश, 1978 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 773/155/88 सी. शु. 8 तारीख 29-8-88 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री अक्दुल बारिस खान पुत्र श्री भकील मियां खान, निवासी 8, मोटा महल, बोमांजो पाटिल स्ट्रीट, बंडन रोड बम्बई-400036, को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागर, बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उते स्वापक औषधि को रखने तथा बिक्री एवं खरोद करने से रोका जा सके; और

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विख्यास करन का कारण हे कि पूर्वीक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमे उका आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. प्रतः प्रबं, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वीक्त व्यक्ति, इस श्रादेश के राजपन्न में प्रकागन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, बस्बई के समझ हा जिर हो।

[फा.सं. 773/155/88 सी.म्. 8]

ORDER

S.O. 65 (E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773|155|88-Cus. VIII dated 29-8-88 under the said sub-section directing that Shri Abdul Wari: Khan, Slo Shri Shakeel Miyan Khan, resident of 8 Mota Mahal, Bomanji Patil Street, Waiden Road, Bom-

bay-86 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from engaging in the possession, sale and purchase of Narcotic Drugs; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conterred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforcsaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 7731155]88-Cus. VIII]

श्चात्रेण

का.आ. 66(अ):—भारत लरकार के गपुना सिवय ने, जिसे स्थापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ प्रवेध क्यापार निवारण प्रध्यादेश, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन जिसेष रूप से समक्त किया गया है उन्त उपधारा के प्रधीन फा.सं. 773/156/सी.शु. 8, दिनांक 29-8-88 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री मीर हातिम खान, निवासी फातिमा मंजिल दूसरा तल, शायदा मार्ग डोंगरी, बम्बई-400009 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में प्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उस स्थापक औषधि की बिकी व खरीद का काम करने से रोका जा सके; और

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वीक्त व्यक्ति फरार हो गया है या श्रपने को छिपा रहा है जिससे उक्त ग्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. ग्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त प्रिक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेश देती है कि पूर्विक्त व्यक्ति, इस ग्रादेश के राजपत्न में प्रकाशन के 10 दिन के भोतर पुलिस महानिदेशक, बम्बई, के समक्ष हाजिर हो।

[फा.सं. 773/156/88 स्त.शु. 8]

ORDER

- 5.O. 66 (E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 issued order F. No. 773|156|88-Cus, VIII dated 29-8-88 under the said sub-section directing that Shri Meer Hatin Khan, resident of Fatema Manzil, 2nd hoor, Shryda Marg, Dongri, Bombay-9 be detained and kept in custody in the Central Prison, bombay with a view to preventing him from engaging in safe and purchase of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has abscorded or is

concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazzite.

[F. No. 773[156]83 Cus. VIII]

ग्रादेश

का.आ. 67(अ):— भारत सरकार के संयुक्त गृजिब ने, जिपे स्वापक और्राध और मतः प्रभावी पदार्थ प्रशेष्ठ ह्यापार, निवारण प्रधिनियम, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सणवन किया गया है उक्त उपधारा के अधीन फा.सं. 773/170/88 सी.णु.-8 तारीख 14-9-89 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री णेख मोहम्मद जाबिद निजासी सी-27 कणा सदन, कोलाबा, बम्बई-400005, को निक्छ कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार बम्बई, में श्रिभिरक्षा में रखा जाए ताकि उमे स्वापक औष्ट्रिय को रखने लाने ले जाने तथा विको का काम करने से रोका जा सके; और

- केन्द्रीय मरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वांक्त व्यक्ति फरार हो गया है या श्रपने को छिपा रड़ा है जिससे उक्त श्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस श्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेणक, बम्बई, के समक्ष हाजिर हो।

[फा॰ मं 773/170/88 सी॰ ग 8]

ORDER

- S.O. 67 (E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act. 1988 issued order F. No. 778 | 170 | 88-Cus. VIII dated 14-9-88 under the said sub-section directing that Shri Shaikh Mobil. Javid. resident of G-27. Usha Sadan, Colaba. Bembay-5 be detained and kept in custody in the Central Prison. Bombay with a view to preventing him from engaging in the possession, transportation and sale of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order county be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the

aboresaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773]170[38-Cus. VIII]

श्रादेश

का. आ. 68(अ):—भारत सरकार के संयुक्त मिनव ने, जिसे स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ प्रवैध व्यापार निवारण प्रधिनियम, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के प्रधीन विशेष रूप में सगक्त किया गया है, उक्त उपधारा के घ्रधीन बादेग फाईल. मं० 773/172/88 मी. थु. 8 तारीच 20-9-88 यह निदेग देने हुए जारी किया गया था कि श्री कु. भेरी पूर्वेनी काण्डासामी पुती श्री कांडासाभी, मार्कत श्री नारेन्द्रन, 20, बाजार स्ट्रीट, वीक्गास्वाखम, महात-92 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, मद्रास में प्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उस स्वापक श्रीषधि को रखने लाने ले जाने तथा भारत में इनके निर्यात का पडगंब करने से रोका जा सके; और

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त महिला फरार हो गई है या अपने को छिना रही है जिससे उक्त ग्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम, की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देनी है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस श्रादेश के राज्यत्र में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर (लिस महानिदेशक, मद्रास के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 773/172/88 सी. श्. 8]

ORDER

- S.O. 68 (E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773 172 188-Cus, VIII dated 20-9-88 under the said sub-section directing that Miss Mary Poomany Kandasamy, D o Shri Kandasamy, C o Shri Narendran, 20 Bazaar Street, Virugambakkam, Madras-92 be detained and kept in custody in the Central Jail, Madras with a view to preventing her from engaging in the possession, transportation and conspiring in the export from India of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Centra: Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Madras within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|172|88-Cus. VIII]

ग्रादेश

का० ग्रा० 69(ग्र)—गारत सम्कार के संयुक्त यांचिय ने, जिसे स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ प्रवैध व्यापार निवारण ग्राधिनियम, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन विशेष क्ष से समक्त किया गया है, उत्तर उपधारा के ग्रधीन त्रावेश फा० सं० 773/188/88-सी०गु० 8 तारीख़ 12-10-1988 यह निदेश देते हुए आरी किया गया था कि श्रीमती मुमताज शाहजहां शिराजी, निवासी 149, ग्रमीरवाई कम्पाउण्ड ग्राफ मिल्ट्री कैम्प, मस्जिद सांताबुज (इस्ट), वम्बई-400055 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में ग्राभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक औषधि को रखने तथा छिपाने का कार्य करने से रोका जा सके; और

- केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त महिला फरार हो गई है या श्रयने को छिपा रही है जिससे उक्त ग्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. म्रतः म्रन, केन्द्रीय सरकार उक्त म्रधिनियम की धारा 8 उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्वेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस मादेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, बम्बई के समक्ष हाजिर हो।

[फा० सं० 773/188/88-सी.मु. 8] ए० के० राय, ग्रवर सचिव

ORDER

- S.O. 69 (E) —Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773 [188 [88-Cus, VIII dated 12-10-88 under the said sub-section directing that Shrimati Muntaz Shahjahan Shirazi, resident of 149, Amirbi Compound, Opp. Military Camp, Masjid, Santacruz (E), Bombay-55 be detained and kept in custory in the Central Prison, Bombay with a view to preventing her from engaging in the possession and concealment of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or in concealing himself so that the order cannot be executed:
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (l) of Section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773[188]98-Cus. VIII]
A. K. ROY, Under Secv.